

खबर संक्षेप

किसानों के लिये आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम कृषक/कृषक समूह पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

मण्डला। परियोजना संचालक आत्मा समिति किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला मण्डला द्वारा आत्मा योजनांतर्गत विभिन्न श्रेणी कृषि, मत्स्य, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी एवं रेशम पालन के पुरस्कार हेतु कृषकों/कृषक समूहों का चयन किया जाना है। पुरस्कार के चयन के लिये वर्ष 2025-26 (रबी/खरीफ) में कृषकों द्वारा अपनाई गई नवीन तकनीकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर, नवाचार के आधार पर किसानों का चयन किया जायेगा। विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिये प्रत्येक विकासखण्ड से चयनित पांच कृषकों (अलग-अलग संकायों में) को 10 हजार रुपये की राशि प्रदान की जायेगी। जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार (अलग-अलग संकायों में) के लिये 25 हजार रूपए प्रदाय किये जायेंगे। जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के लिये 20 हजार रूपए पांच समूहों को प्रदाय किये जायेंगे। इच्छुक कृषक पुरस्कार हेतु 25 सितम्बर 2026 तक अपने संबंधित विकासखण्ड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी/ब्लॉक टैक्नाॅलोजी मैनेजर आत्मा, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग से संपर्क कर आवेदन पत्र प्राप्त कर, आवेदन भरकर जमा कर सकते हैं। सर्वोत्तम कृषक का चयन 31 सितम्बर 2026 तक समिति द्वारा किया जायेगा। विगत वर्षों में पुरस्कार हेतु चयनित कृषकों/जिन्हे पुरस्कार प्राप्त हो चुका है, को आगामी 7 वर्षों तक चयन प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

सड़क किनारे फिर होने लगे कब्जे, टपरों के पीछे लगाए जा रहे सबमर्सिबल पंप

सड़क चौड़ीकरण को लेकर उठ रहे सवाल

*** बिंझिया-कटरा मार्ग पर प्रशासन ने की थी कार्रवाई।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

बिनझिया से कटरा तक सड़क किनारे किए जा रहे अवैध कब्जों को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। कुछ समय पूर्व नगरपालिका एवं पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क निर्माण और संभावित चौड़ीकरण को लेकर सड़क के दोनों ओर से टीन शेड और अस्थायी कब्जे हटाए गए थे। हालांकि, सड़क चौड़ीकरण का काम आगे नहीं बढ़ने के बाद सड़क किनारे दोबारा टपर और दुकानें लगने लगी हैं।

बताया जा रहा है कि रिलायंस मॉल के आगे सड़क के दोनों ओर लगातार नए अस्थायी कब्जे किए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहा है कि जब पूर्व में सड़क



किनारे से कब्जे हटाए गए थे, तो दोबारा हो रहे अतिक्रमण पर

संबंधित विभाग कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है।



इसी बीच कुछ टपरों और दुकानों के पीछे जमीन खोदकर सबमर्सिबल पंप भी लगाए जाने की बात सामने आ रही है। सवाल यह है कि सड़क किनारे इस प्रकार पंप लगाने की अनुमति किस विभाग से ली गई है और यदि अनुमति नहीं ली गई है तो संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरुआत में सड़क किनारे अस्थायी दुकानें और टीन शेड लगाए जाते हैं, लेकिन समय के साथ यही कब्जे स्थायी निर्माण का रूप ले सकते हैं। ऐसे में यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में सड़क चौड़ीकरण या यातायात व्यवस्था के लिए फिर से बड़ी

कार्रवाई करनी पड़ सकती है।

सड़क निर्माण और चौड़ीकरण को लेकर पहले की गई कार्रवाई के बाद भी स्थिति पूर्ववत होने से पीडब्ल्यूडी विभाग और संबंधित पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि सड़क चौड़ीकरण प्रस्तावित है तो सड़क की सीमा स्पष्ट कर कब्जों पर प्रभावी रोक लगाई जाए और यदि कोई निर्माण या सबमर्सिबल पंप बिना अनुमति लगाया गया है तो उसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह है कि संबंधित विभाग सड़क किनारे बढ़ते कब्जों और बिना अनुमति लगाए जा रहे सबमर्सिबल पंपों को लेकर कब तक कार्रवाई करता है।

डोल ग्यारस पर जल विहार के साथ हुआ भगवान का नगर भ्रमण



हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

डोल ग्यारस के पावन पर्व पर मंगलवार को मंडला जिले में धार्मिक आस्था और भक्ति का अनूठा दृश्य देखने को मिला। जिले के अनेक मंदिरों में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना के बाद आकर्षक ढंग से सुसज्जित प्रतिमाओं को डोल में विराजमान कर जल विहार कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान की शोभायात्राएं निकाली गईं, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरीं।

डोल ग्यारस का पर्व भगवान विष्णु के जल विहार से जुड़ी धार्मिक परंपरा के रूप में मनाया जाता है। इसी परंपरा के तहत मंडला

शहर सहित जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मंदिर समितियों द्वारा विशेष आयोजन किए गए। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। भगवान के विग्रह का विधि-विधान से पूजन कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद उन्हें डोल में विराजमान कर भक्तों के साथ जल विहार के लिए ले जाया गया। शोभायात्रा में श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए चल रहे थे। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती उतारी और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। धार्मिक गीतों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शोभायात्रा के मार्ग में लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों के सामने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।



राधा कृष्ण कुटी से धूमधाम से निकल गई डोल ग्यारस की भव्य शोभा यात्रा



हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला | नगरभ्रमण

राधा कृष्ण कुटी से भगवान श्री कृष्ण की पावन डोल ग्यारस एकादशी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई

के साथ इसके बाद भगवान को एक सुंदर और सुशोभित डोल विमान में विराजमान कर यात्रा का शुभ आरंभ किया यात्रा में डोल नगाड़े की थापी की गुंज और श्रद्धालुओं का संकीर्तन मुख्य आकर्षण रहा भक्त जनों ने डोल की धुन पर जमकर नाच किया और जय श्री कृष्ण कथा राधे-राधे के भजनों से माहौल को भक्ति में बना दिया मार्ग में जगह-जगह स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने उसे वर्षा कर भगवान के डोल का

निद्रा में करवट लेने की खुशी में मनाया जाता है और यह परंपरा बरसों से श्रद्धापूर्वक चली आ रही है इस शोभा यात्रा में स्थानीय राधा कृष्ण कुटी के पुजारी श्री कृष्ण कुमार पांडे रघुनंदन विश्वकर्मा

अखिलेश अग्रवाल राजेश सोनी गिरीश अग्रवाल रज्जू शर्मा जितेंद्र अग्रवाल मगन अग्रवाल श्याम महाराज संतोष सोनी रवि बडोनिया प्रशांत सोनी एवं नगर सभी भक्तगण।



निरीक्षण

छात्रावासों की वित्तीय व्यवस्थाओं पर भी तो नजर डाल लेते श्रीमान्।

सहायक आयुक्त ने किया छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण



*** व्यवस्थाओं में सुधार के दिये निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. अरूण

शुक्ला द्वारा विकासखंड घुघरी अंतर्गत संचालित विभिन्न छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या छात्रावास एवं कन्या आश्रम, उत्कृष्ट राजा शंकर शाह छात्रावास एवं आश्रम सहित अन्य संस्थाओं की व्यवस्थाओं

का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के लिए शुद्ध पेयजल, निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन, मच्छरदानी तथा छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी छात्रावास एवं आश्रमों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण

कर उसका रिकॉर्ड संधारित करने के लिए भी कहा गया। वीरांगना रानी दुर्गावती कन्या आश्रम घुघरी में दो छात्राओं के स्वास्थ्य ठीक नहीं होने पर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुघरी में उपचार कराया गया। अधीक्षकों को बच्चों के साथ नाश्ता एवं भोजन स्वयं

करते हुए फोटो भेजने तथा बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परिसर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और विद्यार्थियों को शासन से प्राप्त सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण रूप से उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

क्या जनजाति बाहुल्य छात्रों की पढ़ाई और रोजगार से बड़ा है संलग्नीकरण का खेल?

हरिभूमि न्यूज़ | मण्डला

शिक्षकों के अटैचमेंट बीच सत्र में खत्म करने से छात्रों की पढ़ाई दुष्प्रभावित हो रही है। सवाल लाजमी है - क्या सरकार गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को अच्छी शिक्षा देना ही नहीं चाहती?

मुद्दा सीधा है - छात्रों की शिक्षकीय व्यवस्था को देखते हुए जुलाई से अप्रैल - शैक्षणिक सत्र के बीच विद्यालयों में शिक्षकीय कार्यों के अलावा भर्ती, ट्रांसफर, संलग्नीकरण, युक्तियुक्तकरण जैसा कोई बदलाव नहीं होना चाहिए।

लेकिन हो क्या रहा है?

जनजातीय कार्य विभाग मंडला ने 7 सितंबर 2026 को आदेश क्र. 6103 जारी कर सभी संलग्नीकरण तत्काल निरस्त कर 7 दिन में मूल संस्था में जाने को कहा। फिर महज 12 दिन बाद 19 सितंबर को संशोधित आदेश - 29 सितंबर 2023 के बाद के आदेश ही निरस्त, पहले वाले यथावत।

संशोधन किस आधार पर और क्यों?

कटऑफ 29 सितंबर 2023 ही क्यों? यदि कलेक्टर और सीईओ की स्वीकृति जरूरी थी, तो जांच सिर्फ एक तिथि की क्यों? शिक्षकों का कहना है - पूर्व वर्षों में भी बिना स्वीकृति के संलग्नीकरण हुए, उनकी जांच कौन करेगा? 1989 से आदेश था - फिर



संलग्नीकरण कैसे? सामान्य प्रशासन ने 27 सितंबर 1989 और 10 जुलाई 1998 को ही संलग्नीकरण समाप्त करने के निर्देश दिए थे। 2013 में फिर याद दिलाया। यदि 1989 से निर्देश थे, तो 1989 से 2023 तक के आदेशों की वैधानिकता क्या है?

क्या नियमविरुद्ध स्थानांतरणों की जांच होगी? आरोप वाजिब है - कई स्थानांतरण प्रभारी मंत्री के अनुमोदन बिना, नोटशीट तक नहीं। यदि संलग्नीकरण देख रहे हैं, तो स्थानांतरणों की भी जांच हो। बीच शैक्षणिक सत्र में आदेश - छात्रों का क्या दोष? जुलाई से अप्रैल पढ़ाई। बीच में शिक्षक को हटाओ, लाओ, यथावत करो - छात्र भ्रमित, पढ़ाई प्रभावित,

परीक्षा परिणाम और मनोदशा पर असर। क्या शिक्षकीय व्यवस्था से बड़ा है बाबूगिरी का खेल? संशोधन का आधार सार्वजनिक क्यों नहीं? 7 सितंबर को समाप्त का आदेश, 12 दिन में संशोधन क्यों? किन तथ्यों, नियमों पर हुआ - क्या सार्वजनिक किया जाएगा? मांग - शिक्षकों, अभिभावकों की एक मांग चर्चा में है - शैक्षणिक व्यवस्था स्थिर रखो - जुलाई से अप्रैल तक शिक्षकीय कार्यों के अलावा कोई बदलाव नहीं। जांच करनी है तो 1989 से आज तक सबकी करो, निष्पक्ष। केवल कटऑफ की आड़ में पुराने मामले बचाना पूरे सिस्टम पर सवाल है।

खबर संक्षेप

सालीचौका में आयोजित हुआ उमंग दिवस पर मन मोहक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़/सालीचौका। मंगलवार को स्थानीय शासकीय बालक उ मा विद्यालय मे जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के निदेशन एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र राजपूत के मार्गदर्शन में उमंग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जीवन कौशल, पोषण, साइबर सुरक्षा एवं लैंगिक समानता जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। वहीं सहपाठी नेतृत्व, मेरी पाती व प्रेरक टॉक सशक्तिकरण स्टेशंस, रैपिड फायर विजज, सहायता तंत्र, लाइव डेमो, पुरस्कार वितरण सहित कर्नर वॉक गतिविधियों के साथ भच्चों को शपथ दिलाई गई। इस दौरान प्राचार्य एस एस मरकाम ने विद्यार्थियों को जीवन कौशल के महत्व की जानकारी देते हुए सही निर्णय लेने, समस्याओं का समाधान करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं बच्चों को संतुलित एवं पोष्टिक आहार के महत्व तथा पोषण की कमी से होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए इंटरनेट एवं डिजिटल माध्यमों का मजबूत उपयोग करने के आवश्यक उपाय से भी अवगत कराया गया। वहीं कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में जीवन कौशल, स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता, डिजिटल सुरक्षा, समानता और आत्मविश्वास की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

चीचली सहित साईंखेड़ा में आयोजित किये गये विकास खंड स्तरीय मोगली उत्सव

हरिभूमि न्यूज़/चीचली। मंगलवार को स्थानीय शासकीय कब्जा माध्यमिक विद्यालय चीचली एवं सांदीबाड़ी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय साईंखेड़ा में विकासखंड स्तरीय मोगली उत्सव का आयोजन किया गया। चीचली मे यह कार्यक्रम वीरेंद्र सिंह राजपूत विकासखंड शिक्षा अधिकारी के निदेशानुसार तथा बी.आर.सी डी.के.पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसी प्रकार से साईंखेड़ा मे बीईओ सुश्री सीमा डोगरे के निदेशन, बी.आर.सी सदीप स्थापक, प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा एवं बीछरसी पवन राजोरिया की उपस्थिति मे उक्त कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मों सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने मोगली उत्सव के अंतर्गत आयोजित परीक्षा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने डेढ़ घंटे के प्रश्न पत्र मे वक्यजीव, पर्यावरण एवं प्रकृति से संबंधित प्रश्नों को हल करते हुए अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के सफल आयोजन में अरुण डुबे, संजय सोनी, बुलंद कुशवाहा, लेखनार गोमान, हेमकुमार नामदेव एवं दिनेश चौसरिया, रामकुमार कोरव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं बताया जाता है कि कार्यक्रम में संजय कुमार राजपूत, सुनील सोनी, रामकुमार उदैनिया एवं श्रीमती ज्योति पगारे सहित अन्य शिक्षक एवं पालकगण उपस्थित रहे। चीचली ब्लॉक के मोगली उत्सव में बालिका वर्ग में कृतिका कौरव एवं बाबक वर्ग में सत्यम लोधी का चयन किया गया। इन दोनों विद्यार्थी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखंड चीचली का प्रतिनिधित्व करेंगे।

किसानी स्कूल में सेवा संकल्प अभियान ने बच्चों को मिले पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज़/ गाडरवारा। स्थानीय शासकीय किसानों पुर्व माध्यमिक शाला गाडरवारा में सेवा संकल्प अभियान में शरद मौलासरिया का शाला मे आगमन हुआ। बताया जाता है कि इस दौरान उन्होंने बच्चों को सेवा संकल्प अभियान के बारे में जरूरी जानकारीयों से अवगत कराया तथा शिक्षा के संबंध में उपयोगिता पर अपने विचार रखे। इसके बाद छात्र-छात्राओं में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई भाषण का विषय 2047 का भारत था। चित्र कला में राम मंदिर,आर्युजमान भारत, अंतरिक्ष मिशन तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में बच्चों ने अपनी सहभागिता दी गई। वहीं कार्यक्रम के अंत प्रमाण पत्र वितरण किये। कार्यक्रम में प्रधान पाठक श्रीमती सविता ठाकुर ने 17 अक्टूबर तक चलने वाले कार्यक्रम की जानकारी प्रस्तुत की और छात्र-छात्राओं से अन्य प्रतियोगिता में भाग लेने का आग्रह किया। अंत आभार प्रदर्शन श्रीमती लक्ष्मी राजपूत ने किया।



कब्जा नगर कालोनी में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा। नगर के कृषि कार्यालय के सामने स्थापित गणेश प्रतिमा। नगर के भामा वार्ड में स्थापित गणेश प्रतिमा। नगर के चीचली तिरहा के पास स्थापित लम्बोदर की प्रतिमा। नगर के इन्न्दा कालोनी स्थापित की गई प्रतिमा। नगर के बाजार में स्थापित गणेश प्रतिमा।

सरकारी जमीन पर प्रभावशालियों द्वारा अपने टपरे जमाकर गरीबों से वसूला जा रहा किराया, बेसहारा लोगों की आड में शासकीय भूमि चढ़ रही माफियों की भेंट...



हरिभूमि न्यूज़/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरों, मस्जिदों के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वहीं शहर में चौ तरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा.लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि को प्रवाह न करने से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलन्द हो गए हैं, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरुपयोग करते हुए अतिक्रमणकारियों द्वारा रातो रात कब्जा जमाते हुये उसे किराये पर चलाते हुये देखे जा रहे है। इस तरह की सच्चाई को मिडिया द्वारा उजागर किया जाता है तो लोग यह बात कहने से नही चूकते है कि गरीब लोग अपने ठेला जमाते हुये रोजीरोटी चला रहे है...? मगर यह सच्चाई एकदम विपरित देखने मिल रही है। क्योंकि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले गरीब नही है। उन्हें तो यहां पर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिये इन अतिक्रमणकारियों को किराया भरने मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि शासकीय भूमि पर प्रभावशाली लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा जमाते हुये स्थापित किये गये टपरों व ठेलों को किराये से देते हुये गरीबों से हर माह हजारों की राशि बसूली जा रही है...? जब भी

नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम शुरू होती है तो यह भूमाफिया लोगों को अपने किरायदरों को सामने खड़ा करते हुये रोजी रोजी की दुहाई देने लगते है। सही मायने में देखा जावे तो इन गरीबों की आड में पूंजिपति अतिक्रमणकारी शासकीय भूमि पर कब्जा जमाते हुये इन गरीबों का शोषण करने से नही चूक रहे है...? यह सच्चाई नगर की पानी टंकी से लेकर शासकीय चिकित्सालय मार्ग सहित अन्य जगहों पर देखी जा सकती है...? जहां पर खाली पड़ी सरकारी भूमि पर प्रभावशालियों द्वारा कब्जा करते हुये अपने ठेले स्थापित करते हुये किस तरह गरीबों का शोषण किया जा रहा है। ज्ञात हो कि इस तरह प्रभावशालियों द्वारा शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने के तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी कलावति व्यारे द्वारा हिम्मत जुटाते हुये नगर की पानी टंकी सहित शासकीय चिकित्सालय मार्ग को पूर्ण रूप से साफ करा दिया गया था। मगर उनका तबादला होने के बाद जहां नगर के शासकीय चिकित्सालय मार्ग पर पूर्व की भांति अतिक्रमण जहां का तहां सजा हुआ नजर आने से नही चूक रहा है...? वहीं दूसरी ओर नगर की पानी टंकी पार्क पास से हटाये गये अतिक्रमण के बाद कुछ बेरोजगारों को पुराने नालंदा परिसर में रोजी रोजी के लिये जगह उपलब्ध कराई गई थी। मगर वर्तमान में देखा जावे तो यहां पर इस समय कुछ ठेले इस तरह से नजर आने से नही चूक रहे है जिसमें

पैसा वाले लोगों द्वारा दो दो तीन तीन ठेले जमाते हुये गरीबों को रोजी रोटी कमाने के नाम पर किराये पर देकर मनमाना पैसा बसूलने में पीछे दिखाई नही दे रहे है...? यदि नालंदा परिसर में स्थापित कराये गये मौजूद टपों की निष्ठा के साथ जांच कराई जावे तो एक एक व्यक्ति के अलग अलग जगहों पर दो से लेकर तीन तीन टप स्थापित पाये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...? मगर हेरत की बात यह है कि यह प्रभावशालियों को सत्ता से जुड़े हुये लोगों का इस तरह संरक्षण मिल रहा है कि अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करने के नाम पर टंड में पसीना आते हुये देखा जाता है...? इस तरह सड़को के किनारो फैले हुये अतिक्रमण के आलवा अन्य दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम कालोनियों का निर्माण किया जा रहा है? जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़ने का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएँ होने के अंदेशा सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदर्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शाम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह शैक्षणिक संस्थाओं के इर्द गिर्द अतिक्रमणो की

बाढ़ आने से शालाओं में पहुँचने वाले बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ज्ञातव्य है कि बैंकों, सब्जी बाजार, अनेक शासकीय कार्यालयो में वैसे भी पार्किंग व्यवस्था का अभाव है तो दूसरी ऊपर से नगर में अतिक्रमण की अमरबेल फैलती चले जाने से विकसित हो रहे नगर की ट्रेफिक व्यवस्था पंगु होती जा रही है। शहरवासियो का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से चहुँओर अतिक्रमण होने से गाडरवारा की पहचान मुश्किल भरे शहर के रूप में बनती जा रही है और बेतरतीब बसाहट, ठेले, ठिलियो का जाल फैलने से नगर की सुंदरता को ग्रहण लगने लगा है, बेबाक लहजे में कुछ लोगो का कहना है कि वास्तव में अतिक्रमण फैलाने की बीमारी राजनीतिक पहुँच वाले असरदारों की देन प्रतीत होने से नही चूक रही है...? इसलिए जब भी प्रशासन कोई अतिक्रमण विरोधी मुहिम शुरू करता है वे उसके सुर में सुर मिलाकर अपना अतिक्रमण हटाने की बजाय शासकीय भूमि पर टपारिया बनाकर रहने वालो व चाय पान का ठेला लगा अपनी जीविका चलाने वाले नौजवानो का बालि का बकरा बना देते है। इन लपजरी रंगी बिरंगी कार मेनो की इस तिकडम का नतीजा है कि नगर अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहा है और शहर में खुलेपन का माहौल नही बना पा रहा है, प्रशासन, नपा. से शहर के निवासियो ने गुहार लगायी है कि वह शहर को अतिक्रमण के जंजाल से मुक्त करने की दिशा में पहल करें।

डोल ग्यारस के मौके पर देर रात तक सड़कों पर उमड़ती रही भीड़ जगह जगह स्थापित बप्पा की आरती में शामिल होकर लिया आशीर्वाद



हरिभूमि न्यूज़/गाडरवारा। चल रहे गणेश उत्सव के दौरान बीते हुये रविवार को जिस तरह सुबह से बारिश की झड़ी लगी हुई थी उससे अनुमान लग रहा था कि शायद डोल ग्यारस का महौल खराब हो जावेगा। मगर मंगलवार को बारिश पर ब्रेक लग जाने के कारण जहां संपूर्ण महौल खुशनुमा बन गया था। वहीं सड़को पर डोल ग्यारस के चलते भीड़ उमड़ने का क्रम देर रात तक टूटने का नाम नही ले रहा था। बताया जाता है कि इस दौरान जहां नगर के अनेक मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी हुई देखी गई तो दूसरी ओर नगर में निकाले गये विमानों में विराज मान भगवान की एक झलक देखने के लिये लोग उताबले होते हुये दिखाई पड़े। इस प्रकार से जब नगर के अनेक मंदिरों से निकाले गये विमान जब शहर के हृदय स्थल झंडा चौक पहुंचे तो वहां पर

लोगों का देर रात तक हजूम लगा हुआ दिखाई पड़ा। इस प्रकार डोल ग्यारस के मौके पर सभी विमान झंडाचौक के पास एकत्र होने के बाद रात्री विश्राम करने के बाद सुबह की प्रभात बेला में शक्कर नदी में जल बिहार करते हुये अपने अपने स्थानों के लिये वापिस लौटे। वहीं दूसरी ओर नगर में अनेक जगहों पर डोल ग्यारस के दौरान धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुये तो दूसरी ओर गणेश स्थापना वाले स्थानों पर रात भर भजन कीर्तन चलते हुये देखे गये। इस तरह नगर में चल रही गणेश उत्सव की धूम के बीते हुये मंगलवार को क्षेत्र के लोगों ने नगर में स्थापित गणेश प्रतिमाओं पर पहुंचकर जहां आरती में शामिल होकर बप्पा की आराधना की गई व दर्शन करते हुये क्षेत्र व नगर की खुशहाली के लिये बरदान मागा गया। बताया जाता है कि लोगो ने जगह जगह

स्थापित प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिये पहुंचे जहां पर उन्होंने पूजन अर्चन किया गया। इस तरह देखा जा रहा है कि मौसम साफ होने के चलते नगर में स्थापित प्रतिमाओं के दर्शन करने के लिये भक्तों की सड़को पर भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। गणेश उत्सव को लेकर अधिकारियों द्वारा गणेश उत्सव के दौरा उमड़ने वाली भीड़ को सुचारू व्यवस्था बनाने के लिये जहां तहां पाईट बनाते हुये पुलिस बल तैनात किया गया था। मगर इसके बाद भी देखा गया कि भीड़ के बीच जहां दो पहिया वाहन चलकर धमाचौकड़ी मचाते हुये देखे गये तो दूसरी ओर चार पहिया वाहनों का भीड़ वाले क्षेत्रों में प्रवेश किये जाने के कारण जाम की स्थिति बनते हुये देखी गई और हाल यह बना रहा कि रात के समय गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने

के लिये निकले हुये लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ा। इस तरह डोल ग्यारस के मौके पर सबसे अधिक गणेश दर्शन के लिये निकली महिलाओं को परेशानियों का सामना करते हुये देखा गया। क्योंकि सड़को पर भीड़ के रूप में दर्शन करने के लिये निकली हुई महिलाओं के बीच मनचलों द्वारा अपनी दो पहिया गाड़ियों पर तीन तीन लोग सवार होकर हुड़दंग लीला मचाते हुये अनेक प्रकार की छोटकशी करते हुये देखे गये। इस तरह पुलिस प्रशासन से अपेक्षा है कि शेष रहे दिनों में रात के समय उमड़ने वाली भीड़ के दौरान दो पहिया वाहनों पर सवार होकर मटर गस्ती करने वालों पर सख्ती के साथ प्रतिबंधित किया जावे जिससे दर्शन करने वाले लोगों को परेशानियों से ज्ञजात मिल सके।

भगवान खाटू श्याम जी की भव्य पैदल निशान यात्रा, जगह जगह हुआ स्वागत



हरिभूमि न्यूज़/ गाडरवारा। डमरूघाटी से भगवान खाटू श्याम की भव्य पैदल यात्रा जब शहर के बीच से निकली तो संपूर्ण महौल धर्ममय होने से नही चूक पाया था। हारे का सहारा बनने वाले बाबा श्याम की भव्य पैदल निशान यात्रा कल मंगलवार को नगर के शिवधाम डमरू घाटी से बड़े ही धूमधाम के साथ शुरू हुई। बताया जाता है कि पूजन-अर्चना के बाद निकाली गई यह पैदल निशान यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए झांझनखेड़ा पहुंची। धार्मिक आस्था एवं बाबा श्याम के प्रति श्रद्धा से ओत प्रोत भव्य पैदल निशान यात्रा में सैकडो की संख्या में भक्त गण शामिल दिखाई दे रहे थें। जो अपने हाथों में भगवान के चित्र वाले झंडा लेकर मनमोहक नृत्य करते हुये देखे जा रहे थें। इस तरह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डमरू घाटी में विधि-विधान एवं पूजन-अर्चना के पश्चात निशान यात्रा डमरूघाटी से शुरू होकर गाडरवारा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बस स्टैंड, गंज, सराफा, चुंगी नाका, पानी टंकी, पलोटन गंज, छीपा तिराहा, आमगांव तिराहा से आगे कामती एवं आमगांव होते हुए ग्राम झांझनखेड़ा पहुंची। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा बाबा श्याम के जयकारों के साथ निशान लेकर पैदल प्रस्थान किया। धार्मिक वातावरण के बीच नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरने वाली इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा था और लोगों द्वारा जहां तहां स्वागत करते हुये भगवान का पूजन अर्चन किया।

गणेश उत्सव की धूम



गणेश उत्सव समिति अशोक चौक रामगढ़



गणेश उत्सव समिति धुर्वे टोला अमरपुर



गणेश उत्सव समिति वनवासी मोहल्ला अमरपुर



नव युवा गणेश उत्सव समिति बाजार चौक अमरपुर



गणेश उत्सव समिति जनपद तिराहा अमरपुर

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आरक्षण का आधार आर्थिक करने और यूजीसी प्रावधानों की समीक्षा की मांग

डिंडोरी। जिला मुख्यालय डिंडोरी में मंगलवार को सवर्ण समाज एवं करणी सेना के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न मांगों को लेकर रैली आयोजित की गई। रैली के बाद राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित प्रावधानों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम, सभी वर्गों को समान अवसर तथा देश में समान संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।संगठन की ओर से बताया गया कि जिले के विभिन्न विकासखंडों से सवर्ण समाज एवं करणी सेना के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने कहा कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर लंबे समय से चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में 13 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न विकासखंडों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने भाग लेकर मांगों और सुझावों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 22 सितंबर को जिला मुख्यालय में रैली निकालकर शासन तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया गया था।

यूजीसी के प्रावधानों की पुनः समीक्षा की मांग

ज्ञापन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित ऐसे प्रावधानों एवं नीतियों की पुनः समीक्षा किए जाने की मांग की गई है, जिनको लेकर संगठन के अनुसार समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष एवं आशंकाएं उत्पन्न हो रही



हैं। संगठन ने मांग की है कि ऐसे प्रावधानों पर व्यापक स्तर पर विशेषज्ञों और सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श किया जाए। आवश्यक होने पर संबंधित प्रावधानों में बदलाव अथवा उन्हें वापस लेने की दिशा में निर्णय लिया जाए।ज्ञापन में कहा गया कि उच्च शिक्षा से जुड़े नियम एवं नीतियां विद्यार्थियों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को प्रभावित करती हैं। इसलिए किसी भी महत्वपूर्ण प्रावधान को लागू करने से पहले व्यापक चर्चा एवं सभी हितधारकों के विचारों को महत्व दिया जाना चाहिए।

आरक्षण व्यवस्था का आधार आर्थिक करने की मांग

ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करते हुए आर्थिक स्थिति को भी प्रमुख आधार बनाए जाने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों की भी शिक्षा, रोजगार और प्रतियोगी अवसरों में

पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए।संगठन ने कहा कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार प्रत्येक वर्ग में मौजूद हैं। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। ज्ञापन के माध्यम से सरकार से इस विषय पर व्यापक स्तर पर विचार करने का आग्रह किया गया है।ज्ञापन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित कानूनों की भी समीक्षा किए जाने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य वास्तविक पीड़ितों को संरक्षण प्रदान करना है और यह संरक्षण बना रहना चाहिए। साथ ही संगठन ने मांग की कि यदि किसी मामले में कानून के दुरुपयोग की शिकायत सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच एवं परीक्षण के लिए प्रभावी कानूनी और प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।संगठन ने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से पीड़ित व्यक्तियों को कानून का संरक्षण मिलना



चाहिए, लेकिन किसी भी कानून के कथित दुरुपयोग की शिकायत सामने आने पर निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से उसका परीक्षण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

शिक्षा और रोजगार में समान अवसर की मांग

ज्ञापन में समाज के सभी वर्गों को शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य क्षेत्रों में समान अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। संगठन ने कहा कि सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और समान अवसर की भावना को मजबूत करने के लिए शासन को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।प्रतिनिधियों ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए तथा सामाजिक विभाजन को कम करने के लिए नीतियों में संतुलन और व्यापक विचार-विमर्श आवश्यक है। ज्ञापन में देश की एकता, अखंडता एवं संवैधानिक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 'एक देश, एक विधान, एक

संविधान' की भावना को सुदृढ़ करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि देश में समानता, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एकरूपता की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।संगठन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि संवैधानिक एवं कानूनी प्रावधानों की समीक्षा करते समय विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और संबंधित सभी हितधारकों से व्यापक चर्चा की जाए तथा देशहित, सामाजिक समरसता और समान अवसर को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्णय लिए जाएं।ज्ञापन के अंत में संगठन की ओर से कहा गया कि उनकी मांगों पर शासन गंभीरतापूर्वक विचार करे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो सवर्ण समाज को दीर्घकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। संगठन ने ऐसी स्थिति के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराने की बात कही है।रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम में डिंडोरी जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

250 बाइक और 500 लोगों के साथ डिंडोरी पहुंची सेवा संकल्प यात्रा

रयपुरा में प्रशासनिक शिविर, शहपुरा में रात्रि विश्राम

डिंडोरी। सेवा, सहयोग और जनभागीदारी का संदेश लेकर उमरिया से निकली सेवा संकल्प यात्रा मंगलवार को डिंडोरी जिले के शहपुरा पहुंची। करीब 250 बाइक पर सवार लगभग 500 लोगों के काफिले का जिले की सीमा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। यात्रा के दौरान शहपुरा विकासखंड के रयपुरा में प्रशासन की ओर से विशेष शिविर भी लगाया गया।यात्रा के डिंडोरी पहुंचने पर शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वनमंडल अधिकारी अशोक सोलंकी, अनुसूचित जनजाति प्रदेशाध्यक्ष पंकज सिंह तेकाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने यात्रियों का स्वागत किया। यात्रा के प्रवास को देखते हुए रयपुरा में प्रशासन ने विशेष शिविर लगाया। यहां यात्रियों और स्थानीय ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं जनसेवाओं की जानकारी देने के साथ संबंधित विभागों के अधिकारियों ने आवश्यक सेवाएं



उपलब्ध कराईं। यात्रियों की सुविधा के लिए पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं।शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।सेवा संकल्प यात्रा मंगलवार रात शहपुरा में रुकेगी। करीब 500 प्रतिभागियों के ठहरने और

उनकी अन्य आवश्यकताओं को देखते हुए प्रशासन ने व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं।यात्रा के अगले पड़ाव में बुधवार को शहपुरा स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद यात्रा बरखेड़ा आश्रम पहुंचेगी, जहां पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके बाद यात्रा जबलपुर जिले के कुंडम के लिए रवाना होगी।यात्रा के आयोजकों के अनुसार अभियान का उद्देश्य सेवा, सामाजिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण की भावना को लोगों तक पहुंचाना है। डिंडोरी प्रवास के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इन्हीं संदेशों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

जनसुनवाई में 81 आवेदन, कलेक्टर ने समय-सीमा में निराकरण के लिए निर्देश

डिंडोरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिलेभर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के समक्ष रखीं। जनसुनवाई में कुल 81 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। मौके पर निराकरण योग्य मामलों का तत्काल समाधान भी कराया गया।जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विकासखंड डिंडोरी के ग्राम रहंगी निवासी जेठू सिंह ने खेत तालाब की राशि का भुगतान नहीं होने की शिकायत की। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं हीरा टांडिया ने प्राथमिक शाला दपकी टोला, संकुल केंद्र मूसामुंडी में अतिथि शिक्षक वर्ग-3 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता की शिकायत की,



जिस पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को जांच के निर्देश दिए गए। जगदीश सिंह मरावी ने छात्रावास अधीक्षक द्वारा कथित अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत की। इस मामले में बीईओ अमरपुर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।ग्राम कनेरी माल के ग्रामीणों ने पटना टोला, झंझा टोला और इमली टोला में बोर खनन के बाद हैडपंप स्थापित कराने की मांग रखी। ग्रामीणों के अनुसार इससे इन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या दूर हो सकेगी। कलेक्टर ने पीएचई के कार्यालयन यंत्री को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके अलावा ग्राम पंचायत भाजीटोला में विकास कार्यों में कथित अनियमितता की जांच, धान खरीदी केंद्र शुरू कराने, अनुग्रह सहायता राशि दिलाने और अपूर्ण प्रधानमंत्री सड़क निर्माण कार्य पूरा

कराने से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में उसका निराकरण करें, ताकि नागरिकों को समस्या पर राहत मिल सके।जनसुनवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया। इसमें पहुंचे नागरिकों का रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उन्हें आवश्यक परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।

धान की फसल में कीट प्रकोप की खेत में हुई पहचान, किसानों को मिला प्रशिक्षण

डिंडोरी। आकांक्षी विकासखंड बलाने के ग्राम गिरवरपुर में कृषि विभाग ने खेत की मेड़ पर किसान पाठशाला आयोजित कर किसानों को धान की फसल में कीट प्रबंधन का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। 'फॉल्ड डे' सह 'फॉल्ड विजिट' के दौरान कृषि अधिकारियों ने धान के खेतों का निरीक्षण कर कीटों की पहचान, उनके लक्षण और नियंत्रण के उपाय मौके पर समझाए।निरीक्षण के दौरान कृषक रतन सिंह आमों के खेत में धान की फसल में भूरा माहू (बीपीएच), जबकि सुद्धन मरकाम के खेत में पत्ता लोटेक कीट का प्रकोप पाया गया। इसके बाद अधिकारियों ने खेत में ही किसानों को दोनों कीटों की पहचान और उनसे होने वाले नुकसान की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पत्ता लोटेक कीट पत्तियों को लपेटकर अंदर छिप जाता है और हरी सतह को खुरचकर खाता है। इससे पत्तियों पर सफेद धारियां दिखाई देती हैं। शुरुआती प्रकोप में नीम तेल के उपयोग की सलाह दी गई, जबकि अधिक प्रकोप की स्थिति में कृषि विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार अनुश्रुति कीटनाशक का प्रयोग करने की जानकारी दी गई।भूरा माहू के नियंत्रण के लिए भी विभाग द्वारा अनुश्रुति दवाओं के विलेपन बताए गए। किसानों को अत्यधिक सूरिया के प्रयोग से बचने और खेत की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई।कृषि विभाग ने कीटनाशकों के उपयोग में सावधानी बरतने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि दवा का प्रयोग लेबल पर दी गई मात्रा और अनुश्रुति फसल-कीट के अनुसार ही करें। छिड़कने के दौरान सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें और हवा की दिशा का ध्यान रखें। अलग-अलग कीटनाशकों को बिना विशेषज्ञ की सलाह के मिलाकर प्रयोग न करें। दवा का छिड़कन बच्चों और पशुओं से दूर रखते हुए निष्पक्षित प्रतीक्ष अवधि का पालन करने की भी सलाह दी गई।अधिकारियों ने किसानों से कहा कि कीट प्रकोप के शुरुआती लक्षण दिखाई देते ही खेत का निरीक्षण करें और नियंत्रण के लिए कृषि विशेषज्ञों से सलाह लें। खेत में आयोजित पाठशाला के जरिए किसानों को अपनी फसल में मौजूद समस्या की पहचान और उसके समाधान को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।कार्यक्रम में कृषि विस्तार अधिकारी अमित भटनागर, सोनिया चौधन, सपरव मनमोहन सिंह, प्रगतिशील कृषक लल्लू कारपेति, गणेश सिंह, महेश, गुलाबती बाई, लीलाबाई सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने खेत में आयोजित इस प्रशिक्षण को फसल प्रबंधन की जानकारी हासिल करने का उपयोगी माध्यम बताया।

उपस्थित रहे। युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष बबलू गोमन, सेवा भारती सचिव रविचंद्र दुबे, पंचायत सचिव जशवंत मानिकपुरी सहित अन्य नागरिकों ने भी सहभागिता की।आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पोषण तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के साथ समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

जनजागरूकता रैली और नुकड़ नाटक से दिया सामाजिक सरोकारों का संदेश

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर द्वारा आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत विद्यार्थियों ने अमरपुर के साप्ताहिक बाजार में जनजागरूकता रैली एवं नुकड़ नाटक का आयोजन कर सामाजिक जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर आमजन को जागरूक किया।रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छता, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर जागरूकता संदेश दिए। विद्यार्थियों ने विभिन्न नारों के माध्यम से नागरिकों से समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निमाने का आह्वान किया।रैली के बाद साप्ताहिक बाजार में विद्यार्थियों ने नुकड़ नाटक का प्रभावी मंचन किया। नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम, स्वच्छता के महत्व, सामाजिक कुरीतियों से बचने तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। नाटक देखने के लिए बाजार में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निदेशन तथा राखेयो कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व की भावना को जगाना और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने स्वच्छ, जागरूक, नशामुक्त, सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक आशेष कुमार मरावी, रामकुमार टेकाम, डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. निगहट खान एवं डॉ. निधि सिंह सहित महाविद्यालय के कर्मचारी सुमनलता मरावी, त्रवा जयौला, कति धुर्वे, आरती मरावी, सूरजवती, सुशी व्याम, ओमकार वाटिया, मंगल सिंह दुलारिया एवं प्रेमशाह उडके तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डिंडोरी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी में सोमवार को विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा पंकज तेकाम, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी सी.एस. नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष शिक्षा स्थायी समिति अंजू जिंदद ब्योहार तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र राजपूत उपस्थित रहे।अतिथियों ने विद्यार्थियों को विकसित भारत के लक्ष्य एवं 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की चित्रकला प्रदर्शनी में अवलोकन किया। इसके साथ ही 'विकसित भारत@2047' विषय पर आयोजित माषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए और देश के विकास को लेकर अपनी कल्पनाएं एवं सुझाव साझा किए।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उपासना चौबे, वरिष्ठ शिक्षिका लतिका डैनियल, श्रीमती हंसा तेकाम, जितेंद्र दक्षित, रीतेश मरावी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर द्वारा आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत विद्यार्थियों ने अमरपुर के साप्ताहिक बाजार में जनजागरूकता रैली एवं नुकड़ नाटक का आयोजन कर सामाजिक जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर आमजन को जागरूक किया।रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छता, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर जागरूकता संदेश दिए। विद्यार्थियों ने विभिन्न नारों के माध्यम से नागरिकों से समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निमाने का आह्वान किया।रैली के बाद साप्ताहिक बाजार में विद्यार्थियों ने नुकड़ नाटक का प्रभावी मंचन किया। नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम, स्वच्छता के महत्व, सामाजिक कुरीतियों से बचने तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। नाटक देखने के लिए बाजार में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निदेशन तथा राखेयो कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, उत्तरदायित्व एवं नेतृत्व की भावना को जगाना और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने स्वच्छ, जागरूक, नशामुक्त, सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक आशेष कुमार मरावी, रामकुमार टेकाम, डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. निगहट खान एवं डॉ. निधि सिंह सहित महाविद्यालय के कर्मचारी सुमनलता मरावी, त्रवा जयौला, कति धुर्वे, आरती मरावी, सूरजवती, सुशी व्याम, ओमकार वाटिया, मंगल सिंह दुलारिया एवं प्रेमशाह उडके तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नाम सुधार सुचना

मे रवि कुमार पिता श्री सुन्दर लाल साहू, जाति रैली आयु 27 वर्ष, निवासी ग्राम अमरपुर पोस्ट ऑफिस बिलगावा, तहसील शहपुरा जिला डिण्डोरी (म.प्र.) का निवासी होकर शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मेरे ब्रह्मिण लार्सेन्स क्रमांक MP5220210019051 में मेरा नाम रवि कुमार साहू पिता श्री सुन्दर लाल साहू दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम रवि कुमार पिता श्री सुन्दर लाल साहू दर्ज है, जो कि मेरा वास्तविक नाम है और प्रचलन में है। मैं अपने आधार कार्ड/पैन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर अपने ब्रह्मिण लार्सेन्स में भी अपना नाम रवि कुमार साहू के स्थान पर रवि कुमार नाम सुधार कराने वाले अपने स्वयं का शपथ पत्र निम्नादित कर रहा हूँ। भविष्य में मेरे द्वारा दी गई जानकारी असत्य पाई जाती है तो उसके लिए मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।

रंगोली और चित्रकला के जरिए विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

डिंडोरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खरगहना में पौधारोपण सहित विभिन्न जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगोली और चित्रकला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और पोषण से जुड़े संदेश प्रस्तुत किए।कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देते हुए उपस्थित लोगों



को पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रंगोली और चित्रकला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सुपोषण और सामाजिक जागरूकता से संबंधित विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। सुपोषण जागरूकता गतिविधियों के

दौरान संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान, विकासखंड समन्वयक अंजू दुबे, प्रभारी प्राचार्य मनीष मरावी, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, मेंटर्स, प्रफ़ुल्लन समिति के सदस्य, शिक्षक एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं

खबर संक्षेप

दिगम्बर जैन समाज की महिलाओं ने मनाया सुगंध दशमी पर्व

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस दिगम्बर जैन मंदिर में पर्युषण पर्व के छठवें दिन सकल दिगंबर जैन समाज की महिलाओं द्वारा सुगंध दशमी पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जैन समाज की महिलाएं उपस्थित रही। पर्व के दौरान महिलाओं ने विधि विधान से पूजनअर्चन किया तथा पूजा अर्पित कर धार्मिक परंपरा निभाई। महिलाओं द्वारा एक दूसरे को सुहाग सामग्री भेंट की गई। भजन का भी आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भक्तिमय वातावरण बनाया। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। महिलाओं ने भगवान की आराधना कर परिवार एवं समाज सभी वर्गों के कल्याण और सुख समृद्धि की कामना की। पर्युषण पर्व के दौरान मंदिर परिसर में विविध धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहे हैं। संगीतमय आरती में बड़ी संख्या में जैन समाज के धर्मावलंबी उपस्थित हो रहे हैं।

डोल ग्यारस पर निकाली बांके बिहारी की शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा। गत दिवस जल झूलनी एकादशी के अवसर पर नगरिया मंदिर परिसर से प्रतिष्ठानुसार इस वर्ष भी बांके बिहारी जी की विशाल शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली गई जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया।यह शोभायात्रा नगर के सभी मंदिरों से होती हुई पुजारी मुहल्ला स्थित नदी में जल विहार करते हुए श्रद्धालुओं के यहां जाकर विश्राम करेगी धार्मिक आयोजन होंगे।

बेटियों ने निमाया पुत्र का फर्ज

तेंदूखेड़ा। बेटियां भी पुत्र के समान फर्ज निभाती नजर आ रही है। ऐसा ही एक उदाहरण समीपी ग्राम काचरकोना में देखने को मिला जहां गांव के ही रामेश्वर गंगोलिया 44 वर्ष की अचानक हृदय गति रुक जाने पर रामेश्वर की दो पुत्रियों ने स्वयं अंतिम यात्रा में शामिल होकर नम आंखों से मुखानिग हो यह नजारा देखकर अंतिम यात्रा में पहुंचे लोगों की भी आंखे नम हो गईं। रामेश्वर गंगोलिया के पुत्र नहीं है उसकी दो बेटियां ही हैं जिन्होंने बेटे का फर्ज निमाया।

युवा संगम कार्यक्रम में 103

युवाओं का प्रारंभिक चयन

नरसिंहपुर। रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को शासकीय महाराणा प्रताप महाविद्यालय, गाडरवारा में युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान निजी क्षेत्र की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए। साक्षात्कार के उपरांत जिले के 103 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया। वहीं 11 आवेदकों को अप्रेंटिसशिप के लिए ऑफर लेटर प्रदान किए गए। इसी प्रकार स्वरोजगार की दिशा में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के माध्यम से लगभग 12 हितवाहियों को 48 लाख 90 हजार रुपये के ऋण वितरित किए गए। इस सहायता से हितवाही अपने स्वयं के रोजगार एवं व्यवसाय को आगे बढ़ा सकेंगे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग गाडरवारा द्वारा हेल्थ चेकप भी लगाया गया, जिसमें युवाओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

महाविद्यालय परिसर में किए गए न्याय वृक्ष और ज्ञान वृक्ष के रूप में पौधे रोपित



तेंदूखेड़ा। सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा की तहसील विधिक सेवा समिति के द्वारा मंगलवार को स्थानीय शासकीय महाविद्यालय में सामाजिक न्याय एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर श्री अखिलेश शुक्ला के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य

नर्मदा भूमि

कलेक्टर ने लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के दिए निर्देश एचआईव्ही जांच एवं उपचार सेवाओं को प्रभावी बनाने पर जोर

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सघन जागरूकता अभियान एवं मिशन एड्स सुरक्षा के शेष लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने एचआईव्ही से संबंधित सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने, पात्र मरीजों को समय पर जांच एवं उपचार से जोड़ने तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से जागरूकता गतिविधियों का विस्तार करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन मरीजों का वायरल लोड टेस्ट होना है, उन्हें शीघ्र एआरटी सेंटर भेजकर जांच सुनिश्चित की जाए। एआरटी सेंटर जाने में असमर्थ मरीजों को आवश्यकता के अनुसार शासकीय वाहन अथवा 108 एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने मिशन एड्स सुरक्षा के शेष 95 लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

एड्स जागरूकता की समीक्षा

यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित सघन जागरूकता अभियान एवं मिशन एड्स सुरक्षा की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक संचालित एड्स सघन जागरूकता अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी विभागों एवं संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जागरूकता गतिविधियों की पहुंच अधिक से अधिक लोगों तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सर्सेस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस. के. उग्रेलिया एवं वन एम.पी. बटालियन पंटाघर जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नितिन शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल समीर बोडास के निर्देशन में आज महाविद्यालय के एन.सी.सी.



कैडेट्स द्वारा ग्राम खुरपा एवं भाटिया टोला के लोगों को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूक किया गया टीबी. से होने वाली बीमारियों से लोगों को परिचित कराया गया एवं उसके लक्षणों को बताया गया किसी भी व्यक्ति को यदि आप अधिक खासी ,बलगम या खांसी के साथ

के व्यक्ति पाये जाये तो धर के बड़े बुजुर्गों को जानकारी दे। इस कार्य में महाविद्यालय के सीनियर एन.सी.सी. कैडेट एवं नवीन एन.सी.सी. कैडेट ने सक्रिय भूमिका निभाई कैडेट नितेश कुशवाहा के साथ सभी की उपस्थिति रही। इस आयोजन की स्पंसेखा केप्टन डॉ. राजेश कुमार ठाकुर द्वारा तैयार की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑन ड्यूटी निजी प्रैक्टिस के आरोप, बीएमओ बोले- डॉक्टर अस्पताल में ही रहते महिला एवं पुरुष चिकित्सकों पर अस्पताल से बाहर और सरकारी आवास में निजी इलाज करने के आरोप

गोटेगांव। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव में पदस्थ चिकित्सकों की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि अस्पताल में पदस्थ कुछ महिला एवं पुरुष चिकित्सक शासकीय ड्यूटी के दौरान भी निजी मरीजों का उपचार करते नजर आते हैं। आरोपों के मुताबिक अस्पताल परिसर के बाहर निजी क्लीनिकों के साथ-साथ कुछ चिकित्सकों द्वारा सरकारी आवास से भी निजी इलाज किए जाने की बात सामने आ रही है।नियमानुसार शासकीय ड्यूटी के समय चिकित्सकों का निजी प्रैक्टिस करना शासकीय दायित्वों और निर्धारित सेवा नियमों के विपरीत माना जाता है। ऐसे में यदि गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑन ड्यूटी निजी इलाज किए जाने की शिकायतें सही पाई जाती हैं तो पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय किए जाने की आवश्यकता है।अस्पताल के बाहर निजी क्लीनिक और सरकारी आवास में इलाज के आरोपामामले में आरोप लगाए जा रहे हैं कि डॉ. इंदल सिंह



दंडोतिया समीर मेडिकल हॉस्पिटल के सामने स्थित निजी क्लीनिक में मरीजों का उपचार करते हैं। वहीं डॉ. रजनी सिंह पर अपने सरकारी आवास से निजी क्लीनिक संचालित करने का आरोप है।इसी तरह हाल ही में पदस्थ हुई डॉ. निष्ठा अग्रवाल को लेकर भी सरकारी आवास से निजी मरीजों का उपचार किए जाने की शिकायत सामने आने की बात कही जा रही है।हालांकि इन सभी आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।बीएमओ बोले- डॉक्टर अस्पताल में ही मौजूद रहते हैं।मामले को लेकर जब खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शंकर सिंह धुवे से की गई तो उन्होंने चिकित्सकों का पक्ष रखते हुए कहा

कि डॉक्टर अस्पताल में ही मौजूद रहते हैं। उनके अनुसार, जब डॉक्टर खाना खाने के लिए अपने शासकीय आवास पर जाते हैं, उसी दौरान निजी इलाज किए जाने की बात सामने आती है।बीएमओ के इस बयान के बाद यह सवाल भी उठता है कि यदि कोई चिकित्सक शासकीय ड्यूटी पर है, तो क्या भोजन के लिए सरकारी आवास जाने की अवधि में निजी मरीजों का उपचार किया जाना सेवा नियमों के अनुरूप है? इस बिंदु की स्थिति भी संबंधित नियमों और जांच के आधार पर स्पष्ट होना आवश्यक है।सीएचएमओ ने कहा- तथ्य दें, कार्रवाई सुनिश्चित करूंगामामले को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा से



एचआईव्हीएड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एचआईवी एड्स से संबंधित जागरूकता संदेश, वीडियो एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। साथ ही औद्योगिक एवं हाई रिस्क क्षेत्रों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा विभिन्न स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी शिविरों में भी एचआईवी एड्स जागरूकता गतिविधियों को शामिल करने के निर्देश दिए।

जागरूकता शिविर होंगे आयोजित

बैठक में जिला एड्स नियंत्रण नरसिंहपुर के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह ने अभियान की प्रगति की जानकारी देते दी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर से जिले में



एचआईव्हीएड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एचआईवी एड्स से संबंधित जागरूकता संदेश, वीडियो एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। साथ ही औद्योगिक एवं हाई रिस्क क्षेत्रों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने तथा विभिन्न स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी शिविरों में भी एचआईवी एड्स जागरूकता गतिविधियों को शामिल करने के निर्देश दिए।

जागरूकता शिविर होंगे आयोजित

बैठक में जिला एड्स नियंत्रण नरसिंहपुर के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह ने अभियान की प्रगति की जानकारी देते दी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर से जिले में

हिन्दी दिवस पखवाड़ा अंतर्गत विविध प्रतियोगिताएं सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शिक्षण संस्थान एम. आई. एम. टी. कॉलेज ने मध्यप्रदेश शासन भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार हिन्दी दिवस पखवाड़ा के अंतगत विकसित भारत 2047 की संकल्पना की अवधारणा पर विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। हिन्दी दिवस समारोह डॉ. सुधीर सिंहई वरिष्ठ साहित्यकार नरसिंहपुर के मुख्य आतिथ्य, डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर की अध्यक्षता, एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज नरसिंहपुर के विशिष्ट आतिथ्य एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. नमिता साहू प्राध्यापक हिन्दी पी. एम. श्री कॉलेज ऑफ़ एक्सर्सेस, नरसिंहपुर की उपस्थिति में किया गया। डॉ. सिंहई ने विकसित भारत की संकल्पना एवं हिन्दी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. गर्ग ने सेवा संकल्प अभियान एवं हिन्दी भाषा के योगदान को निरूपित किया। विशिष्ट अतिथि एड. तिवारी हिन्दी भाषा की उपयोगिता एवं तकनीकी कार्य में आने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। विषय विशेषज्ञ डॉ. साहू ने शिक्षा तथा संरक्षण में हिन्दी के महत्व



का वर्णन करते हुए विकसित भारत 2047 की संकल्पना के महत्व का वर्णन किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। रचना पाठ प्रतियोगिता में हेमन्त सैन, श्रीमती रश्मि दुबे एवं श्रीमती विजेता शर्मा ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन एम. आई. एम. टी. हिन्दी अकादमी की निदेशक आराधना दुबे एवं आभार मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर जी डी उमरे, श्रीमती माधुरी पटवा, प्रसून नेमा, जितेन्द्र मिश्रा, फूल सिंह धानक, मो. आधिक अली, दीक्षा केवट, कृष्णकांत जाटव, नंदनी विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र - छात्राओं की

उपस्थिति रही। निबंध प्रतियोगिता में नमता कहार ने तृतीय, गीता लोधी को द्वितीय तथा दीपक वैष्णव को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। भाषण प्रतियोगिता में रमाईल ठाकुर ने तृतीय, प्रिया साहू को द्वितीय तथा अंकिता लोधी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता में शाहीन खान ने तृतीय, पिप्पू विश्वकर्मा को द्वितीय तथा हर्षिका मेहरा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। रचना पाठ प्रतियोगिता में राहुन चौधरी ने तृतीय, प्रतीक्षा राजपूत को द्वितीय तथा नरेन्द्र मेहरा को प्रथम स्थान प्राप्त किया। अतिथियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति विन्ह प्रदान किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

‘मेरे सपनों का भारत’ में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को मिले पुरस्कार

भी चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ऑन ड्यूटी कोई भी चिकित्सक निजी इलाज नहीं कर सकता।सीएचएमओ ने कहा कि यदि इस तरह की कोई शिकायत सामने आ रही है तो संबंधित खबर से जुड़े तथ्य उन्हें उपलब्ध कराए जाएं। तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।अब जांच और कार्रवाई का इंतजारसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे शासकीय संस्थान में मरीज सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में यदि चिकित्सकों द्वारा शासकीय ड्यूटी के समय निजी मरीजों का उपचार किए जाने की शिकायतें सामने आती हैं तो इसकी निष्पक्ष जांच महत्वपूर्ण हो जाती है।अब देखना यह है कि सामने आए आरोपों और उपलब्ध तथ्यों की जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग क्या कार्रवाई करता है। क्या चिकित्सकों की ड्यूटी के दौरान उपस्थिति और निजी प्रैक्टिस की वास्तविक स्थिति की जांच की जाएगी? यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार चिकित्सकों पर क्या कार्रवाई होगी?



‘मेरे सपनों का भारत’ में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा, विजेताओं को मिले पुरस्कार

गोटेगांव। पीएम श्री शासकीय रानी अवंती बाई लोधी कन्या हाई स्कूल में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने विचारों और कल्पनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष अंजनी सोनी, नगरपालिका उपाध्यक्ष संध्या चौकसे सहित प्रमुख समाजसेवी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने भाषण के माध्यम से भारत के भविष्य को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं चित्रकला के माध्यम से उन्होंने अपने सपनों के भारत की कल्पना को रंगों में उकेरा।कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित आभिशेक सोनी ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा भट्ट ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



मामा ग्राम पंचायत में तीस लाख के संहतिघ आहरण पर उठे सवाल

पंचायत दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध जानकारीयों का अवलोकन करने पर कई भुगतानों और राशि के नियम विरुद्ध आहरण की आशंका गहरी हो गई है। पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 30 लाख रुपए की राशि के संदिग्ध और अनियमित आहरण का अंदेशा जताया गया है। वास्तविक राशि का सही आंकड़ा विस्तृत जांच और अभिलेखों के भौतिक सत्यापन के बाद ही सामने आ सकेगा। धरातल पर कार्य अधूरे

भुगतान अवदन में मुख्य रूप से गंधी बिंदु उठाए गए हैं जिसमें फर्जी बिल और वाउचर 5वें वित्त आयोग 15वें वित्त आयोग सांसद निधि विधायक निधि एवं अन्य प्राप्त निधियों के नियमों की अनदेखी कर फर्जी बिल वाउचर लगेकर राशि आहरण करने की आशंका है। टाइड और अनटाइड मद की राशि को कार्ययोजना के विपरीत खर्च किया गया है। अपूर्ण कार्य और भुगतान आरोप है कि कई वेंडरों के नाम पर राशि का भुगतान कर दिया गया है, जबकि संबंधित निर्माण कार्य धरातल पर पूर्ण ही नहीं हुए हैं। स्वच्छता और नल-जल योजना में गड़बड़ी स्वच्छता एवं नल-जल योजना के नाम पर भारी राशि आहरित की गई है। जबकि मैदानी स्तर पर नल-जल व्यवस्था पूरी तरह विफल और अधूरी है। जानकारी मांगने पर टालमटोल और जताई अनभिज्ञता

ग्राम सभा के सदस्यों ने बताया कि गत 15 अगस्त को जब पंचायत सचिव से मदवार आय-व्यय की जानकारी मांगी गई तो उन्होंने

हालिया स्थानांतरण का हवाला देकर असमर्थता जताई। वहीं सरपंच द्वारा यह कहकर पल्ला झाड़ लिया गया कि वे अनपढ़ महिला हैं और उन्हें नियमों की जानकारी नहीं है। समस्त जानकारी पूर्व सचिव द्वारा ही दी जा सकती है। ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि मामले को निष्पक्ष जांच कराई जाए और मूल बिल वाउचर माप पुस्तिका कार्यदेश तथा कार्यपूर्णता प्रमाण-पत्रों का भौतिक मिलान किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वित्तीय अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग को लेकर दोषियों पर वैधानिक एवं विभागीय कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।